Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

D—2006

PAPER—III

HINDI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HINDI

हिन्दी

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

नोट : यह प्रश्न पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चार खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उज़र यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

खण्ड—I

निर्देश : ***निम्नलिखित गद्य-अवतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस-तीस (30-30) शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।***

खण्ड - I

पूँजी और शिक्षा, जिसे मैं पूँजी ही का एक रूप समझता हूँ, इनका क़िला जितनी जल्द टूट जाय, उतना ही अच्छा है। जिन्हें पेट की रोटी मयस्सर नहीं उनके अफसर और नियोजक दस-दस, पांच-पांच हजार फटकारें, यह हास्यास्पद हैं और लज्जास्पद भी। इस व्यवस्था ने हम ज़मींदारों में कितनी विलासिता, कितना दुराचार, कितनी पराधीनता और कितनी निर्लज्जता भर दी है, यह मैं खूब जानता हूँ, लेकिन मैं इन कारणों से इस व्यवस्था का विरोध नहीं करता। मेरा तो यह कहना है कि अपने स्वार्थ की दृष्टि से भी इसका अनुमोदन नहीं किया जा सकता। इस शान को निभाने के लिए हमें अपनी आत्मा की इतनी हत्या करनी पड़ती है कि हममें आत्माभिमान का नाम भी नहीं रहा।

1. क़िला टूटने से क्या अभिप्राय है ?

2. इस गद्यांश में सामंती-समाज का ज़्या स्वरूप है ?

3. सामंत यथास्थिति का पोषक होता है, ज़्यों ?

4. ‘हममें आत्माभिमान का नाम भी नहीं रहा’ से ज़्या आशय है?

5. इस गद्यांश में लेखकीय दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—II

निर्देश : निज़्नलिखित प्रश्नों के उज़्र अधिकतम तीस (30) शज़्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. पुष्टिमार्ग से ज़्या अभिप्राय है ?

7. तुलसीदास के मर्यादा भाव के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

8. जायसी के विरह-वर्णन की ऊहात्मकता पर प्रकाश डालिए।

9. रीति-बद्ध और रीति-सिद्ध का अंतर स्पष्ट कीजिए।

10. द्विवेदी-युगीन इतिवृज़ात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

11. निराला काव्य के 'वीर-भाव' को स्पष्ट कीजिए।

12. प्रगतिवाद के मूल-भाव पर प्रकाश डालिए।

13. कुंवर नारायण की मिथकीय चेतना की चर्चा कीजिए।

14. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के इतिहास-बोध की चर्चा कीजिए।

15. कल्पना और यथार्थ का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

16. 'अंधेर नगरी' के बाज़ार–दृश्य पर प्रकाश डालिए।

17. विद्यानिवास मिश्र के निबंधों की लोक संसज़्ति का विवेचन कीजिए।

18. स्थायी-भाव और संचारी-भाव का अंतर स्पष्ट कीजिए।

19. अनुप्रास-अलंकार के विभिन्न भेदों की चर्चा कीजिए।

20. आई.ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण-सिद्धान्त के मूल स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—III

निर्देश : निज़्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उज़र दें।

प्रत्येक प्रश्न का उज़र अधिकतम दो सौ (200) शज़्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प—I : (भज़्ति काव्य)

21. निज़्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याज़्या कीजिए।

मोरी चुनरी में परि गयो दाग पिया।
पाँच तज़ की बनी चुनरिया, सोरहसै बँद लागे जिया।
यह चुनरी मोरे मैकतें आई, ससुरे में मनुवाँ खोय दिया।
मलि मलि धोई दाग न छूटे, ज्ञान को साबुन लाय पिया।
कहैं कबीर दाग कब छुटि हैं, जब साहब अपनाय लिया।

22. कबीर के भावात्मक रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

23. पद्मावत में लोकतत्व का निरूपण कीजिए।

24. भ्रमरगीत प्रसंग में सूर की मौलिक उद्भावना की चर्चा कीजिए।

25. तुलसीदास ने संत के ज़्या लक्षण बताऐं हैं? स्पष्ट कीजिए।

विकल्प—II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

विषमता की पीड़ा से व्यस्त
    हो रहा स्पंदित विश्व महान;
यही दुख सुख विकास का सत्य
    यही भूमा का मधुमय दान।

22. छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

23. निराला की रचनात्मकता 'वादों' का अतिक्रमण करती है – चर्चा कीजिए।

24. 'पल्लव' की भूमिका का काव्य-चिंतन में एक ऐतिहासिक महत्व है' – स्पष्ट कीजिए।

25. 'महादेवी वर्मा के रचना संसार का ताना-बाना दुख, वेदना, पीड़ा और करुणा से निर्मित है' – विचार कीजिए।

विकल्प—III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

विद्रोही हृदय की एक विशेषता है कि वह अपने विकास में फैलते हुए नूतनतम विचारों को अपनाकर भी विद्रोही ही रह जाता है; क्योंकि वह अपने काल के अग्रणी लोगों से भी आगे ही रहता है। इसी लिए तो प्रतिक्रियावादी जर्मनी में उत्पन्न होकर और पलकर भी आइनस्टाइन विद्रोही हैं, और संसार के सबसे विराट्, सबसे अधिक आग्नेय घोरतम युग-प्रवर्तक रूसी क्रान्ति की गोद में पलकर भी स्टेलिन विद्रोही नहीं हो पाया, जूठन बीननेवाला ही रह गया है।

22. मध्यवर्ग के उदय के साथ हिन्दी उपन्यास का विकास जुड़ा है – स्पष्ट कीजिए।

23. 'निपुणिका की चरित-सृष्टि रचनाकार की नारी-मुक्ति की आकांक्षा हैं' – विचार कीजिए।

24. 'दलित साहित्य समता, न्याय और बंधुत्व की आधार शिला पर खड़ा साहित्य है' – स्पष्ट कीजिए।

25. समकालीन हिन्दी कहानी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

विकल्प—IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' – विश्लेषण कीजिए।

22. 'अनुमितिवाद' पर प्रकाश डालिए।

23. डॉ० रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

24. वर्ड्सवर्थ के काव्य-भाषा सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

25. विखण्डनवाद की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्ति आन्दोलन और लोकजागरण।

(ख) छायावादी काव्य में प्रेम और सौन्दर्य।

(ग) हिन्दी के महाकाव्यात्मक उपन्यास।

(घ) समकालीन हिन्दी आलोचना।

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....